

an UJUA ette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भारत II—सण्ड ४—उप-सण्ड (I) PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 545] नई वित्मी, मंगलबार, रिसम्बर 18, 1990/मग्रहायण 27, 1912 No. 545] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 18, 1990/AGRAHAYANA 27, 1912

> इस आग धें भिला पृष्ठ संस्था की आती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

> Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

ियात संज्ञालय (राजस्व विभाग) व्यविस्वनाएं ना विल्ली, 18 विसम्बर, 1990 सं. 296/90-सीयामुका

सा. का. नि. 980 (म).—केन्द्रीय सरकार, सीमा गुरुक प्रश्नित्यम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं. 59/89—सीमा गुरुक, तारीख 1 मार्च, 1989 को प्रधिकान्त करते हुए, भ्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना भावश्यक है, विद्युत एक्ति के जनन के लिए 1 मैगाश्रद भीर प्रधिक अमतावालों मशीनरी धीर उपस्करों को (जिनके भ्रम्तांत जनन सेट है), जब उनका भारत में भावात किया जाए;

(क) सीमा सुरूक टैरिफ प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली प्रनुसूची में बिनिविष्ट उन पर उद्गहणीय सीमा मुल्क के उतने भाग से, जितना मूल्य के 35 प्रनिणत र ते संगणित रकम से प्रधिक है; भीर

- (ख) उक्त सीमाणुल्क टैरिफ प्रधिनियम की घारा 3 के घषीत उन पर उद्ग्रहणीय समस्त धतिरिक्त शुल्क से, निम्नलिखित शतौं के प्रधीन रहते हुए छूट देती है; धर्मात्:—
 - (i) ध्रायातित मशीनरी या उपस्कर का किसी भौधोगिक संयंत्र द्वारा कैंप्टिल अपयोग के लिए, शक्ति के जनन के लिए उपयोग किया आएगा; भौर
 - (ii) शक्ति के कैप्टिव जनन के लिए मशीभरी या उपस्कर के प्रायात की वंशा में प्रायातकर्ता, निकासी के समय, यथास्थिति, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय में तकनीकी विकास महानिदेशक द्वारा या संबंधित राज्य सरकार के उद्योग निदेशक या धायुक्त द्वारा अथवा लघु उद्योग सैक्टर के अंतर्गत आने वाली कर्म के स्थ में वर्गीकृत फर्म की वंशा में परियोजना आयात विनियम , 1986 में विनिर्दिष्ट संबंधित किसी अन्य प्रयोजक प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी से इस आणय प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है। कि ऐसी मणीनरी या उपस्कर असकें संबंध में इस अधिमूचना के अधीन छूट का वावा किया गया है, ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए अपेक्षित है और जिसमें उपरोजन छूट देने के लिए सिफारिश की गई हो, परन्तु इस अधिमूचना की कोई बात:—

- (1) ईंधन के रूप में मोटर स्प्रिट, मिट्टी का तेल, उच्च वेग धीजल तेल या डीजल तेल का उपयोग करने वाले जनन सेटों को लागू महीं होगी; भीर
- (2) उपत सीमागुरूक टैरिफ प्रधिनियम के शीर्ष संख्या 98.01 के प्रन्तर्गत माने वाले परियोजना आयात के रूप में मायातित मशीनरी या उपस्कर को लागू नहीं होगी।

स्पष्टीकरण: इस बधिसुचना के प्रयोजन के लिए:-

- (i) "औद्योगिक संयंत्र" पव का वही अर्थ है जो उक्त परियोजना ग्रायात विनियम में है; ग्रीर
- (ii) "मोटर स्प्रिट", "मिट्टी का तेल" "उच्च वेग डीजल तेल" भीर "डीजल तेल" पदों के वहीं धर्म हैं जो भारत सरकार के विक्त मंग्रालय (राजस्व विभाग) की घिष्मुचना संख्या 35/90 सीमागुरक, तारीख 20 मार्च, 1990 में हैं।

[फा. सं. 346/129/89-टी घार यू]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) NOTIFICATIONS

New Delhi, the 18th December, 1990

No. 296/90-CUSTOMS

G.S.R. 980(E).—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 59/89-Customs, dated the 1st March, 1989, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts machinery and equipment for generation of electrical power (including generating sets) of capacity 1 MW and above, when imported into India, from—

- (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) as is in excess of the amount calculated a the rate of 35 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act.

Subject to the condition ---

- (i) that the imported machinery or equipment shall be used for generation of power for captive use by an industrial plant; and
- (ii) that in the case of import of machinery of equipment for captive generation of power, the importer at the time of cle-

arance, produces a certificate from an officer duly authorised in this behalf by the Directorate General of Technical Development of the Government of India in the Ministry of Industry or by the Director or Commissioner of Industries of the State Government concerned, in the case of firms which are classified as falling in the small scale sector or by any other sponsoring authority concerned referred to in the Project Imports Regulation, 1986, as the case may be, to the effect that the machinery or equipment in respect of which the exemption under this notification is claimed are required for the purpose specified above, rocommending the grant of the above exemption:

Provided that noting contained in this notification shall apply,—

- to generating sets using motor spirit, kerosene, high speed diesel oil or diesel oil as fuel; and
- (2) to the machinery or equipment imported as project imports falling under heading No. 98.01 of the said Customs Tariff Act.

Explanation: For the purpose of this notification,—

- (i) the expression "industrial plant" has the same meaning as is assigned to it in the said Project Imports Regulations; and
- (ii) the expressions "motor spirit", "kerosene", "high speed diesel oil" and "diesel oil" have the same meanings as is assigned to them in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 35/90-Customs, dated the 20th March, 1990.

[F. No. 346/129/89-TRU]

संख्या 297/90-सीमा शुल्क

सा. का. नि. 981(अ) — केन्द्रीय सरकार, सीमाशृस्क घिधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तों का प्रयोग करते हुए, श्रपना यह समाधान ही जाने पर कि स्रोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, यह निदेश देती है

िक इससे उपायक सारणी के रसम्म (2) में विनिधिन्ट भारत सरकार के दिस मंत्रालय (राजरब निभाग) की प्रत्येक प्रधिसुचना का, उन्त सारणी के स्तम्म (3) में की तत्स्थानो प्रविष्टि में विनिधिप्ट रीति से ययास्थिति, संशोधन था और संशोधन किया जाएगा।

सारणी

क्रम संध्या प्रधित्चना सं. भीर तारीख	संघोधन
1 2	3
1. 153/86-सोभाष्युक, तारीज 1 मार्च, 1986	उत्त अविज्ञुषना मं, स्पन्धिकरण के खंड (1) में शब्द धौर धंक "श्रीर सं. 60/87—सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 1987" के स्थान पर शब्द धौर धंक "सं. 60/87—सीमा शुल्क तारीख 1 मार्च, 1987 श्रीर सं. 296/90 सीमाशुल्क, तारीख 18 विसम्बर, 1990" रखे आएंगें।
2. 59/87-सीमाणुल्क, सारोख 1 मार्च, 1987	उन्त प्रधिसूचना से उपायद्व सारणी भें, क्रम सं. 52 ग्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित फ्रम सं. ग्रीर प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थान्:-
	(1) (2) (3)
	"52. 85.02 पू र्णी मंपरिव- रितव"

[फा. सं. 346/129/89न्दी, घार. यू.]

No. 297/90-CUSTOMS

G.S.R. 981(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table hereto annexed, shall be amended for further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

	TABLE
S. Notification No. No. and Date	Amendment
(1) (2)	(3)
1. 155/86-Customs, dated the 1st March, 1986	In the said notification, in clause (1) of the Explanation, for the words and figures "and No. 60/87-Customs, dated the 1st March, 1987", the words and figures "No. 60/87-Customs, dated the 1st March, 1987 and No. 296/90-Customs, dated the 18th December, 1990" shall be substituted.
2. 59/87-Customs, dated the 1st March, 1987	In the Table annexed to the said notification for Sl. No. 52 and the entries relating thereto the following Sl. No and the entries shall be substituted, namely:— (a) (2) (3)
	"52. 85.02 Rotary

[F. No. 346/129/89-TRU]

convertors".

सं. 168/90--- केन्द्रीय उत्पाद शुस्क

सा.का.कि. 982 (प्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रीर ममक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 क की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, प्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना प्रावप्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिक अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रनुसूची के शोर्ष सं. 85.02 के प्रतर्गत प्राने घाले एक मैगाबाट भार उससे प्रधिक क्षमता वाले विद्युत जनन सैटों को उत्तर प्रतुसूची में विनिर्विष्ट उन पर उद्यहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

[फाइल सं. 346/129/89-टी. धार. यू.]

No. 168/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 982(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts electric generating sets of capacity 1 MW and above falling under heading No. 85.02 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule.

[F.No. 346/129/89-TRU]

सं. 169/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 983 (म).--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क मीर नमक श्रिष्टिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 क की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धपना समाघान हो जाने पर कि सोकहित में ऐसा करना मावश्यक है, केन्द्रोय उत्पादशुरूक टैरिफ मध-1985 (1986 का 5) की धनुसुची में विनिर्विष्ट ऐसे सभी जत्पाव शुरक्य माल को जिसका उत्पावन या विनिर्माण शत प्रतिशत निर्मातीं-म्मुख उपऋम या मुक्त व्यापार क्षेत्र में किया जाता है भीर भारत में किया जाता है, उक्त केम्ग्रीय उत्पाद-शुल्क विकय के लिए धनुजात मौर नमक प्रधिनियम की घारा 3 के प्रधीन उस पर उपग्रहणं।य उसने उत्पाद-शुल्क से छूट देता है जितना ऐसे सीमाशुल्क के योग के बराबद रकम से श्रधिक है जो मैसा ही माल पर, जिसका भारत ्या विनिर्माण किया जाता है, यदि उसका के बाहुर उत्पादन किया जाता है तो सीमाशुल्क ग्राधितियम, 1962 भारत में ग्रायात

(1902 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई तस्तमत्र प्रवृत्त ग्राधिसूचना के साथ पठित उक्त सीमाणुष्क ग्राधिनियम की धारा 12 के ग्राधीन उत्तरहणीय होगा।

[फा. सं 316/148/90-टी म्रारय] थि.बी. हरिहरन, ग्रवर मधिय

No. 169/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 983(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excisos and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all excisable goods specified in the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) produced or manufactured in a hundred per cent export oriented undertaking or a free trade zone and allowed to be sold in India, from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Central Excises and Salt Act as is in excess of the amount equal to the aggregate of the duties of customs which would be leviable under section 12 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with any notification for the time being in force issued under sub-section (1) of section 25 of the said Customs Act on like goods produced or manufactured outside India if imported into India.

[F. No. 346/148/90-TRU] V.V. HARIHARAN, Under Secy.